एम.ए. इतिहास पूर्वार्द्ध

प्रश्न पत्र – प्रथम

विश्व इतिहास

(मध्यकालीन समाज एवं कांति का युग)

खण्ड-1

अध्याय 1 : यूरोप मे सामंतवाद का क्रमिक विकास

अध्याय 2 : यूरोप मे मध्यकालीन राजनीतिक विचारधारा और राजनैतिक संगठन

अध्याय 3 : सामंतवाद की श्रेणियां एवं स्वरूप

अध्याय 4 : टर्की की राजनीति, अर्थव्यवस्था और समाज

अध्याय 5 : मध्यकालीन यूरोप समाज का पतन

खण्ड-2

अध्याय 6 : यूरोप में अठारहवीं शताब्दी में कृषि व्यवस्था

अध्याय 7 : अठारहवीं सदी में यूरोप में कृषक विद्रोह

अध्याय 8 : नगरों व शहरों का विकास एवं यूरोप में नगरीकरण

अध्याय 9 : कारखाना और श्रमजीवी वर्ग

खण्ड-3

अध्याय 10 : यूरोप में औद्योगिक अर्थव्यवस्था : कृषि और उद्योग, व्यापारी और व्यापारिक संघों के मध्य संबंध

अध्याय 11 : उदारवाद और यूरोप में संवैधानिक विकास

अध्याय 12 : अठारहवीं शताब्दी में यूरोप का धार्मिक एवं बौद्धिक जीवन

अध्याय 13 : औद्योगिक क्रांति

खण्ड-4

अध्याय 14 : उद्योगीकरण के बाद

अध्याय 15 : फ्रांस की क्रान्ति-राज्य का स्वरूप एवं बुद्धिजीवी वर्ग और क्रांति

अध्याय 16 : फ्रांस की क्रान्ति का प्रभाव

अध्याय 17 : नेपोलियन का युग

अध्याय 18 : रूस की अर्थव्यवस्था-एक पृथक संसार

अध्याय 19 : अमेरिकी स्वतन्त्रता संग्राम

अध्याय 20 : अमेरिकी क्रांति का महत्व

अध्याय 21 : अमेरिकी संविधान का निर्माण

एम.ए. इतिहास पूर्वार्द्ध

प्रश्न पत्र – द्वितीय

विश्व इतिहास

(राष्ट्रवाद, पूँजीवाद एवं समाजवाद)

खण्ड-1

1. मैटरनिक व्यवस्था तथा कांग्रेस की कूटनीति
2. यूरोप में 1830-70 ई. के मध्य कृषि विस्तार
3. पूर्वी समस्या एवं क्रीमिया का युद्ध
4. इटली का एकीकरण
5. जर्मनी का एकीकरण

खण्ड - 2

6. पूर्वी यूरोप में राजनीतिक व राष्ट्रवादी संघर्ष (1856 से 1878 ई.)
7. ग्रेट ब्रिटेन, जर्मनी और फ्रांस के संवैधानिक सुधारों और समाजवादी आंदोलनों का तुलनात्मक अध्ययन
8. रूस में राजनैतिक और आर्थिक आंदोलन अर्द्धदास प्रथा के अंत तक

9. यूरोप में नवीन शासनतन्त्र

खण्ड - 3

10. यूरोप में सामाजिक विचारधारा

11. संधियों और समझौतों की पद्धति-महाद्वीपीय उच्चता की राजनीति

12. महान शक्तियों में विश्व सर्वोच्चता के लिए प्रतिस्पर्द्धा

13. सुदूरपूर्व में जापान का उत्थान

14. साम्राज्यवाद-चीनी और भारतीय साम्राज्यवाद का अध्ययन उसका स्वभाव एवं विकास

15. साम्राज्यवाद-मिस्र, दक्षिणी अफ्रीका तथा मोरक्को के संदर्भ में

खण्ड - 4

16. बाल्कन में उथल-पुथल व उत्तेजना (बाल्कन युद्ध) 1878-1914

17. चर्च और राज्य के संबंध

18. टर्की में समाज सुधार व युवतुर्क आंदोलन

19. अमेरिका में काले लोगों का इतिहास

20. प्रथम विश्व युद्ध के कारण व उसकी पृष्ठभूमि

21. रूस की क्रांति की बौद्धिक नींव

22. रूस की क्रांति एवं इसका प्रभाव

23. लेनिन आंतरिक तथा विदेशी नीति

एम.ए. इतिहास पूर्वार्द्ध

प्रश्न पत्र – तृतीय

आधुनिक विश्व का इतिहास

(युद्ध एवं औद्योगिक समाज 1917– 1945)

खण्ड – 1

अध्याय 1 : सन् 1918-1919 का रूपान्तरण और पेरिस समझौता सम्मेलन

अध्याय 2 : सामूहिक सुरक्षा एवं निःशस्त्रीकरण

अध्याय 3 : फ्रांस द्वारा सुरक्षा की खोज

अध्याय 4 : आर्थिक थकान-क्षतिपूर्ति की समस्या

अध्याय 5 : राष्ट्र संघ और अंतर्राष्ट्रीय शान्ति एवं व्यवस्था का उत्थान और पतन

खण्ड – 2

अध्याय 6 : समझौतों द्वारा शान्ति स्थापन-लोकर्नो व पेरिस समझौता

अध्याय 7 : समझौतों द्वारा शान्ति स्थापन-वाशिंगटन सम्मेलन

अध्याय 8 : नवीन टर्की का जन्म-मुस्तफा कमाल पाशा

अध्याय 9 : नए गणतंत्र-वाइमर रिपब्लिक

अध्याय 10 : समाजवाद का सिद्धान्त-मार्क्स,लेनिन,माओत्सेतुंग

खण्ड – 3

अध्याय 11 : सोवियत संघ का नवीन संविधान

अध्याय 12 : लेनिन की नई आर्थिक नीति

अध्याय 13 : नवीन आर्थिक विचार-केंज के सिद्धान्त

अध्याय 14 : विश्व व्यापार का संकुचन एवं 1929-1931 में गिरावट

OTES

अध्याय 15 : गांधी दर्शन एवं अहिंसात्मक आन्दोलन

अध्याय 16 : सामाजिक असन्तोष एवं मजदूर विद्रोह

अध्याय 17 : संयुक्त राज्य अमेरिका की अर्थव्यवस्था की सफलता एवं असफलता : रुजवैल्ट की न्यू डील नीति

अध्याय 18 : चतुर्थ विश्व की अर्थव्यवस्था-सुदूर पूर्व में जापान का उत्कर्ष

अध्याय 19 : अंतर्राष्ट्रिय कोमिन्टर्न पैक्ट तथा सोवियत विदेशी नीति

अध्याय 20 : फासिस्ट राज्य

खण्ड – 4

अध्याय 21 : इतिहास में तथ्य

अध्याय 22 : विश्व राजनीति में नाजियों के उद्देश्य

अध्याय 23 : अर्द्ध सशस्त्र क्रान्ति-आस्ट्रिया का अन्त

अध्याय 24 : अफ्रीका संकट-अबीसीनिया का मुद्दा

अध्याय 25 : स्पेन का गृह युद्ध और द्वितीय विश्व युद्ध की पृष्ठभूमि में महान युद्ध नीतियां

अध्याय 26 : भारत में राष्ट्रवाद (1919-1947)

अध्याय 27 : ब्रिटिश राष्ट्रमण्डल

अध्याय 28 : सुदूर-पूर्व में संकट-मंचूरिया संकट

अध्याय 29 : द्वितीय विश्व युद्ध की अवधि मे सम्मेलन व समझौते

एम.ए. इतिहास पूर्वार्द्ध

प्रश्न पत्र – चतुर्थ

ऐतिहासिक चिन्तन

खण्ड-1

अध्याय 1 : इतिहास का स्वरूप तथा क्षेत्र

अध्याय 2 : इतिहास प्रगति के समरूप

अध्याय 3 : इतिहास, विज्ञान और नैतिकता

अध्याय 4 : इतिहास और सामाजिक विज्ञान निश्चयात्मक अभिगम

खण्ड-2

अध्याय 5 : चीनी इतिहास लेखन की भूमिका और उसका स्वरूप

अध्याय 6 : अरबी एवं इस्लामी इतिहास लेखन की परम्परायें

अध्याय 7 : इसाई धर्म एवं इतिहास – चिन्तन

अध्याय 8 : रॉके के विशेष संदर्भ में इतिहास दर्शन की निश्चयात्मक अभिगम

अध्याय 9 : इतिहास की भौतिकवादी व्याख्या (मार्क्सवादी सिद्धांत)

खण्ड-3

अध्याय 10 : बीसवीं शताब्दी का इतिहास लेखन : स्पैंगलर और टायनबी के संदर्भ में

अध्याय 11 : महाकाव्य, कौटिलीय अर्थशास्त्र, धर्मशास्त्र व मास साहित्य की एतिहासिक विवेचना

अध्याय 12 : कालीदास - साहित्य, पुराण व हरिषेण की प्रयागप्रशस्ति की ऐतिहासिक विवेचना

अध्याय 13 : फाहियान, युवानच्वांग और ई-त्सिंग की भारत यात्रा वृतांत

OTES

खण्ड-4

अध्याय 14 : बाबरनामा, अकबरनामा तथा सुजन राय भन्डारी की कृति खुलासतुत्तवशिख

अध्याय 15 : राजस्थान का ख्यात एवं बात साहित्य

अध्याय 16 : गुजराती रासमाला साहित्य का ऐतिहासिक महत्व

अध्याय 17 : भारतीय इतिहास एवं इतिहास लेखन का यूरोपीय मत

अध्याय 18 : स्वातंत्रय—पूर्व भारत में राष्ट्रवादी इतिहास लेखन आर.सी. दत्त एवं दादाभाई नौरोजी

अध्याय 19 : भारतीय इतिहास लेखन में अधुनातन प्रवृत्तियाँ—परम्परावादी, सम्प्रदायवादी, राष्ट्रवादी तथा मार्क्सवादी

अध्याय 20 : भारतीय लोक साहित्य का ऐतिहासिक दृष्टि से महत्व

अध्याय 21 : इतिहास में तथ्य

अध्याय 22 : इतिहास में वस्तुनिष्ठता

अध्याय 23 : इतिहास में कारण की अवधारणा